दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 23 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 295

महत्वपूर्ण एवं खास

अमरनाथ यात्रा : जम्मू आधार शिविर से 3,472 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से 'बम बम भोले' का जयकारा करते हुए 3,472 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र श्री अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि 3,472 तीर्थयात्री 132 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने बताया कि 2515 तीर्थयात्रियों के समूह में 2042 पुरुष, 395 महिलाएं, 12 बच्चे, 63 साधु और तीन साध्वियां शामिल है जो 93 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुए। इसी तरह बालटाल के लिए 957 श्रद्धालु रवाना हुए जिनमें 689 पुरुष और 268 महिलाएं शामिल है। सभी श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 39 वाहनों के काफिले में रवाना हुए। गौरतलब है बाबा बर्फीनी के पवित्र गुफा के दर्शन के लिए वार्षिक यात्रा एक जुलाई को शुरू हुई और यह 31 अगस्त को समाप्त होगी।

महाराष्ट्र के सतारा में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

सतारा (आरएनएस)। महाराष्ट्र में सतारा जिले के सनबुर गांव में शुक्रवार को एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। मृतकों में एक वृद्व दम्पति , उनका बेटा एवं विवाहित पुत्री शामिल है। मृतकों की पहचान आनंद पांडुरंग जाधव (75), उनकी पत्नी सुनंदा (65), बेटा संतोष (45), सभी निवासी सनबूर, और उनकी विवाहित बेटी पुष्पलता प्रकाश धस मंदरुरकोले की निवासी के रूप में की गई, जो नींद में मृत पाए गए। आनंद, जो बीमार थे और चिकित्सा उपचार ले रहे थे, को देर रात छुट्टी देने से पहले गुरुवार को कृष्णा अस्पताल ले जाया गया था। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का पता तब चला जब पुष्पलता के बेटे ने अपने नाना के स्वास्थ्य के बारे में पूछने के लिए फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वह अन्य रिश्तेदारों के साथ उनके आवास पर पहुंचा, लेकिन घर के अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो फिर उन्होंने दरवाज़ा तोड़ा और सभी को मृत पाया। पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि इन लोगों ने यह कदम क्यों उठाया।

एनएचपीसी को अरुणाचल प्रदेश में 3800 मेगावाट की दो परियोजनाएं मिलीं

फरीदाबाद (आरएनएस)। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने एनएचपीसी लिमिटेड को 2000 मेगावाट की सुबानसिरी अपर जलविद्युत परियोजना और 1800 मेगावाट की कमला जलविद्युत परियोजना के आवंटन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। सुबानसिरी अपर जलविद्युत परियोजना अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबानसिरी जिले में सुबानसिरी नदी पर स्थित है, जोकि ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी है। कमला जलविद्युत परियोजना का निर्माण अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में कमला नदी पर किया जाना है, जोकि सुबानसिरी नदी की सहायक नदी है। यह जलविद्युत परियोजनाओं के विकास में एनएचपीसी क्षमताओं की मान्यता को दर्शाता है। एनएचपीसी पहले से ही सुबानसिरी नदी पर 2000 मेगावाट की सुबानसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना का निर्माण कर रही है जो चालू होने के करीब है और एनएचपीसी ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में दिबांग नदी पर 2880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना का निर्माण शुरू किया है।

तेलंगाना में कार और ट्रक की टक्कर, दो लोगों की मौत

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के मेडक जिले में शनिवार को एक कार और ट्रक की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा मेडक जिले के नरसिंगी मंडल में वल्लूर के पास हुआ है। यहां पर कार का टायर फट गया था, जिससे ड्राइवर ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और हादसा हो गया। इस हादसे में कार में सवार 50 वर्षीय टूर्या नाइक और उनके 10 वर्षीय बेटे अंकित की मौत हो गई। वे नरसंपल्ली के निवासी थे और चेगुंटा जा रहे थे। वल्लूर जंगल से गुजरते समय टायर फटने से कार के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया था। डिवाइडर से टकराने के बाद कार सडक़ के दूसरी ओर जा गिरी और उसी समय विपरीत दिशा से आ रहे एक कंटेनर ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। जिस वजह से कार में बैठे दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

1188.36 करोड़ रूपए की लागत से राज्य के आईटीआई का होगा उन्नयन

❐ मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 36 आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए टाटा टेक्नोलॉजीस के साथ एमओयू

❐ युवाओं को मिलेंगे अपने कौशल को विकसित करने के अच्छे अवसर: मुख्यमंत्री

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में आज विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 1188.36 करोड़ की परियोजना पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एमओयू के तहत टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नए ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना तथा प्रशिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को बड़ी कम्पनियों में प्लेसमेंट दिलाने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेंगी। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के संचालक अवनीश शरण तथा टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के प्रेसिडेंट पवन भगेरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री उमेश पटेल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव टोपेश्वर वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आईटीआई के उन्नयन और आधुनिकीकरण से राज्य के युवाओं को अपने कौशल को विकसित करने का अच्छा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक नवाचार किए गए हैं, जिससे किसानों, मजदूरों, वनांचलों में रहने वाले आदिवासियों की आय में वृद्धि हुई है। पिछले साढ़े चार वर्षों में लोगों की जेब में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग एक लाख 60 हजार करोड़ रूपए की राशि डाली गई है, इससे व्यापार और उद्योगों को गति मिली है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि गांव उत्पादन का केंद्र और शहर व्यापार के केंद्र के रूप में स्थापित हों। छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी लाभप्रद बनने से शहरों से लोग गांव की ओर आ रहे हैं।

रीपा को आधुनिक बनाने टाटा टेक्नोलॉजीस से सहयोग का आग्रह

मुख्यमंत्री बघेल ने टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों से कहा कि गांव में छोटे-मोटे उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए गए हैं, जहां व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए जमीन, बिजली, पानी, शेड, प्रशिक्षण, वाई-फाई की सुविधा एवं बैंकिंग लिंकेज उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों से रीपा तथा शहरी औद्योगिक केंद्रों को आधुनिक उद्योगों और नई तकनीक से लैस कर और अधिक विकसित करने में सहयोग का आग्रह किया।

टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और यहां रोजगार के अवसर विकसित करने के राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।

इन आईटीआई का होगा उन्नयन

टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के सहयोग से जिन आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा उनमें शासकीय आई.टी.आई. - बैकुण्ठपुर, ओडग़ी वाड्रफनगर, मैनपाट, बगीचा, लोरमी, कोनी- बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, अकलतरा, हसौद, रायगढ़, खरसिया, राजनांदगांव, डोंगरगांव, मानपुर, छुईखदान, पण्डरिया, गुण्डरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, दुर्ग, पाटन, धरसींवा, हीरापुर, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, बागबाहरा, पिथौरा, कांकेर, अंतागढ़, चारामा, नगरनार एवं दंतेवाड़ा शामिल हैं।

6 नवीन तकनीकी ट्रेडों में मिलेगा प्रशिक्षण

आईटीआई उन्नयन परियोजना के अंतर्गत राज्य के युवाओं को विश्व स्तर के अत्याधुनिक निम्नलिखित 6 नवीन तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण की सुविधा प्राप्त होगी। इसमें एक वर्षीय ट्रेड में आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्रीयल रोबोटिक्स एण्ड डिजिटल मैन्यूफैचरिंग टेक्निशियन, मैन्यूफैचरिंग प्रोसेस कण्ट्रोल एण्ड ऑटोमेशन शामिल हैं। इसी प्रकार दो वर्षीय ट्रेड में एडवांस सी.एन.सी. मशीनिंग, बेसिक डिजायनर एण्ड वर्चुअल वेरिफायर (मैकेनिकल), मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल के ट्रेड शामिल हैं।

अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की होगी स्थापना: 10 हजार युवा होंगे लाभान्वित- टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड द्वारा चयनित प्रत्येक आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना की जाएगी तथा प्रशिक्षण कार्य हेतु प्रत्येक आईटीआई में प्रारंभ में दो प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। प्रशिक्षित युवाओं के प्लेसमेंट में टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड एवं उसके सहयोगी उद्योग सहयोग प्रदान करेंगे। योजना से प्रतिवर्ष लगभग 10 हजार युवा लाभान्वित होंगे।

आईएएस अफसर रानू साहू 3 दिन की रिमांड पर

❐ ईडी ने 14 दिन की मांगी थी रिमांड

❐ विशेष अदालत ने 3 दिन की रिमांड की मंजूर

रायपुर (आरएनएस)। ईडी के शिकंजे में फंसी आईएएस अफसर रानू साहू को आज विशेष अदालत में पेश किया गया। यहां ईडी की ओर से 14 दिन की रिमांड मांगी गई, मगर विशेष अदालत ने केवल 3 दिन की रिमांड दी है।

ईडी की टीम ने आज आईएएस अफसर रानू साहू को सुरक्षा घेरे के बीच राजधानी रायपुर की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया। इस दौरान ईडी की ओर से विस्तृत पूछताछ करने के लिए अदालत से 14 दिन की रिमांड की मांग की। मगर अदालत में विपक्ष द्वारा दी गई दलील के बाद अदालत ने केवल 3 दिन की रिमांड स्वीकृत करते हुए रानू साहू को 25 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ज्ञात हो कि करोड़ों रूपए के लेनदेन मामले में ईडी की टीम ने शुक्रवार को ही रानू साहू के देवेन्द्र नगर स्थित आफिसर्स कालोनी में दबिश दी थी। इस दौरान ईडी की टीम के हाथ कुछ लेनदेन के दस्तावेज, लूज पेपर आदि लगने की बात सामने आ रही थी। आज ईडी ने आईएएस अफसर रानू साहू को विशेष अदालत में पेश किया था। अब 25 जुलाई तक रानू साहू ईडी की हिरासत में रहेंगी। इस दौरान होने वाली पूछताछ में कुछ नई जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है।

छत्तीसगढ़ में मेडिकल सीटों पर एडमिशन के लिए 25 से शुरू होगी काउंसलिंग

❐ डीएमई करेगा प्रवेश प्रक्रिया

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मेडिकल सीटों पर प्रवेश के लिए कामन काउंसलिंग की प्रक्रिया नहीं होगी। मेडिकल सीटों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया चिकित्सा शिक्षा विभाग (डीएमई) द्वारा की जाएगी।

25 जुलाई से पंजीयन की प्रक्रिया शुरू होगी। जो तीन अगस्त तक चलेगी। इसे लेकर डीएमई एक-दो दिनों में शेड्यूल जारी कर देगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की तरफ से शेड्यूल जल्द होंगे जारी

बता दें राष्ट्रीय व राज्य कोटे की सीटों पर होने वाली अलग-अलग काउंसलिंग की व्यवस्था में इस वर्ष बदलाव की कवायद थी। इसके लिए जून में एनएमसी ने छत्तीसगढ़ समेत सभी राज्यों के चिकित्सा शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर कामन काउंसलिंग को लेकर समहति मांगी थी। इसमें राज्य चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कामन काउंसलिंग व्यवस्था को लेकर एनएमसी को पत्र लिखकर अपनी सहमति दे दी। लेकिन व्यवस्था लागू नहीं होने की वजह से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सीटों के लिए काउंसलिंग अलग-अलग की जा रही है। राज्य कोटे की सीटों में प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया पूरी कर ली है।

राज्य के 13 मेडिकल कालेजों व छह डेंटल कालेजों की सीटों के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया होगी। डीएमई कार्यालय राज्य कोटे की 82 फीसदी सीटों के लिए काउंसलिंग करेगी। 25 जुलाई से नीट क्वालिफाइड छात्र आनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। पंजीयन के बाद मेरिट सूची जारी की जाएगी।

मेरिट के बाद छात्रों को च्वाइस फिलिंग के लिए समय दिया जाएगा। इसके बाद आवंटन सूची जारी होगी। डीएमई कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार आवंटन सूची में चयनित छात्रों को तय समय में संबंधित मेडिकल कालेजों में प्रवेश लेना होगा। आल इंडिया कोटे की सीटों में प्रवेश के लिए 20 जुलाई से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुकी है।

मेडिकल प्रवेश काउंसलिंग कमेटी के अध्यक्ष डा. अरविंद नेरल ने कहा, कामन काउंसलिंग नहीं होगी। राज्य कोटे की मेडिकल सीटों पर प्रवेश चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है। 25 जुलाई से आनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

घरों में पांच फीट तक भरा हिंडन नदी का पानी, लोगों की मुश्किलें बढ़ी; एनडीआरएफ ने 40 को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद के हिंडन नदी में जलस्तर लगातार बढऩे से पहले सिटी फॉरेस्ट में पानी घुसा और पास के ही अटौर गांव में 5-5 फुट तक पानी पहुंच गया। बीती देर रात बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। एनडीआरएफ के इस रेस्क्यू ऑपरेशन में 40 लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

फर्रुखनगर इलाके के नंगला अटौर गांव में शुक्रवार को एकाएक बाढ़ का पानी आबादी की ओर बढऩे लगा। आबादी के कुछ मकान करीब 5-5 फीट तक पानी में डूब गए। इन घरों में रह रहे लोगों ने छतों पर चढक़र जान बचाई। जिला प्रशासन की सूचना पर एनडीआरएफ 8वीं बटालियन की एक रेस्क्यूअर टीम शाम 6 बजे पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रात 11 बजे तक चले इस ऑपरेशन में 40 लोगों को घरों से सुरक्षित निकालकर दूर-दराज वाले स्थानों पर पहुंचाया गया। इस ऑपरेशन के दौरान ही एनडीआरएफ टीम की लोकेशन दो बार चेंज हुई, जहां पर लोग फंसे हुए थे। सभी पॉइंट पर जवानों ने पहुंचकर लोगों को बाढ़ से बचाया।

उधर, गांव करहेड़ा की चार कॉलोनियों में हिंडन नदी का पानी भर गया है। इन कॉलोनियों में रहने वाले एक हजार से ज्यादा परिवार दहशत में आ गए हैं। शिवचरण कॉलोनी, उदम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और काष्णा कॉलोनी बिल्डर के द्वारा काटी गई हैं। लोगों का कहना है कि बाढ़ का पानी घरों की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली है। बाढ़ के चलते सिटी फॉरेस्ट बीते तीन दिन से बंद पड़ा हुआ है, जो करीब 175 एकड़ में फैला हुआ है। शुक्रवार देर शाम गाजियाबाद के बाढ़ राहत प्रभारी एडीएम विवेक श्रीवास्तव ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर जायजा लिया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हिंडन नदी के किनारे नहीं जाएं। किसी भी स्थिति में आपदा के कंट्रोल रूम को सूचित करें। एडीएम ने बताया, गांव करहैड़ा और अटौर में राहत शिविर बना दिए गए हैं, यहां पर लोगों को सुरक्षित रखा जाएगा।

नासा का मार्स हेलीकॉप्टर मंगल ग्रह पर नई भरेगा उड़ान

लॉस एंजिल्स । नासा के मार्स हेलीकॉप्टर की शनिवार को मंगल ग्रह (रेड प्लानेट) पर एक नई उड़ान भरने की उम्मीद है। एजेंसी ने यह जानकारी दी है। नासा एजेंसी के अनुसार हेलीकॉप्टर को अपनी नई उड़ान में 10 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने और 203 मीटर की यात्रा करने के लिए लगभग 137 सेकंड लेने की उम्मीद है। जो मंगल ग्रह पर यह 53वीं उड़ान है।

इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेज़ेरो क्रेटर पर पहुंचा, जो नासा के पर्सविरंस रोवर से जुड़ा हुआ था। यह हेलीकॉप्टर पहली बार किसी अन्य ग्रह पर संचालित उड़ान का परीक्षण करने के लिए टेक्नोलॉजी प्रदर्शन पर जा रहा है। नासा के अनुसार हेलीकॉप्टर को एक बार में लगभग 300 मीटर की दूरी और सतह से लगभग तीन से 4.5 मीटर की दूरी 90 सेकंड में उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष विरासत को संरक्षित करने के लिए रखा प्रस्ताव

न्यूयॉर्क । जैसे-जैसे नई अंतरिक्ष दौड़ तेज हो रही है, वैज्ञानिकों ने ग्रहीय भू-पुरातत्व के लिए प्रस्ताव दिया है, इसमें यह अध्ययन किया जाएगा कि पृथ्वी के चंद्रमा, मंगल ग्रह और सौर मंडल में सांस्कृतिक और प्राकृतिक प्रक्रियाएं अंतरिक्ष अन्वेषण के भौतिक रिकॉर्ड को कैसे बदल, संरक्षित या नष्ट कर सकती हैं। कैनसस विश्वविद्यालय में स्थित कैनसस जियोलॉजिकल सर्वे के पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, मुख्य लेखक जस्टिन होलकोम्ब ने कहा, हाल तक, हम 20वीं सदी के मध्य की अंतरिक्ष दौड़ के दौरान छोड़ी गई सामग्री को अपेक्षाकृत सुरक्षित मान सकते हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि, यदि नए अंतरिक्ष युग के दौरान उचित ध्यान नहीं दिया गया, तो चंद्रमा पर वर्तमान में मौजूद भौतिक रिकॉर्ड तेजी से नष्ट होने का खतरा बन रहा है। चिंतित वैज्ञानिकों के संघ के अनुसार, अंतरिक्ष अन्वेषण के आगमन के बाद से, मनुष्यों ने दुनिया भर के देशों से 6,700 से अधिक उपग्रह और अंतरिक्ष यान लॉन्च किए हैं। अकेले अमेरिका में 4,500 से अधिक नागरिक, वाणिज्यिक, सरकारी और सैन्य उपग्रह हैं।

होलकोम्ब ने कहा, हम अंतरिक्ष विरासत के संरक्षण, अध्ययन और दस्तावेज़ीकरण पर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि चंद्रमा पर इस विरासत को खतरा है। जर्नल जियोआर्कियोलॉजी में प्रकाशित पेपर में उन्होंने कहा, अमेरिका फिर से चंद्रमा पर उतरने की कोशिश कर रहा है, और चीन भी ऐसा कर रहा है। हाल ही में हमारे साथ कम से कम चार देश गलती से चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। बहुत सारी आकस्मिक दुर्घटनाएं हो रही हैं और अभी बहुत अधिक सुरक्षा नहीं है।

ग्रहीय भू-पुरातत्वविद् यह कैसे निर्धारित करेंगे कि कोई वस्तु संरक्षित करने लायक है या नहीं, यह एक खुला प्रश्न है। होलकोम्ब ने कहा, हमें आज पुरातात्विक स्थलों के संबंध में हर समय ये निर्णय लेने होंगे। अंतरिक्ष विरासत की रक्षा के लिए सीमित संसाधनों के साथ, होलकोम्ब और उनके सहयोगी अंतरिक्ष में छोड़ी गई सामग्रियों को ट्रैक करने के लिए सिस्टम विकसित करने की वकालत करते हैं।

उन्होंने कहा, हमें अपने भौतिक रिकॉर्ड पर नज़र रखना शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि इसका विस्तार जारी है, न केवल शुरुआती रिकॉर्ड को संरक्षित करने के लिए बल्कि अलौकिक वातावरण पर हमारे प्रभाव की जांच करने के लिए भी। मानवविज्ञानी और पुरातत्ववेत्ता के रूप में यह हमारा काम है कि हम विरासत के मुद्दों को सबसे आगे लाएं।

चंद्रमा से परे, होल्कोम्ब ग्रहीय भू-पुरातत्व को मंगल ग्रह की खोज और प्रवासन से संबंधित मुद्दों तक विस्तारित होते देखना चाहता है। वह उदाहरण के तौर पर नासा के स्पिरिट रोवर की ओर इशारा करते हैं। रोवर 2008 में मंगल ग्रह की रेत में फंस गया था और अब रेत के टीलों के अतिक्रमण के कारण इसके पूरी तरह से ढक जाने का खतरा है। होलकोम्ब का मानना है कि अंतरिक्ष विरासत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य के नासा मिशनों में भू-पुरातत्वविदों को शामिल किया जाना चाहिए।